संक्रमण बना मौतों की वजह

पुणे, सं. भारत में नवजात बच्चों के मौत के प्रमुख कारण पूर्ववर्ती (प्रीमैच्योर्ड) और नवजात संक्रमण हैं. अपरिपक्व बच्चों को प्री मैच्योरिटी और फॉर्मूला फीड् के कारण गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण विकसित करने का सबसे ज्यादा जोखिम है. एक ओर सरकारी मानव दूध बैंक वर्तमान में केवल 1-2 प्रतिशत की आपूर्ति करते है वहीं दूसरी ओर भारत मे मानव दूध बैंकों की 44 लाख लीटर दूध की आवश्यकता है. डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, भारत में हर साल लगभग 35 लाख पूर्ववर्ती बच्चों का जन्म होता है. ये बच्चे कमजोर होते है और उच्चतम जोखिम पर होते है। ऐसे में उनं बच्चों को अतिरिक्त पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है. मानव दूध बैंक में दूध की आपूर्ति और नवजात शिशुओं को संक्रमण बीमारियों से बचाने की जरूरत को देखते हुए नियोलैक्ट लाइफ साइंसेज ने निओनेट के लिए सौ प्रतिशत माताओं के दूध आधारित उत्पादों का विकास किया है. यह भारत में एकमात्र आईएसओ 22000 प्रमाणित मां की दूध प्रसंस्करण सुविधा देनेवाली एवं एशिया की पहली निलैक्ट लाइफसाइन्सिस है.